Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 19 October 2024

Dainik Jagran
Page - 06

नेट-जेआरएफ परिणाम में गोवि के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जून-2024 को यूजीसी नेट, जेआरएफ एवं पीएचडी पात्रता परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। यूजीसी नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में विभिन्न विभागों के 100 से अधिक विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

पहली बार यूजीसी नेट पात्रता परीक्षा में जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए नेट एवं पीएचडी के लिए पात्रता तय करते हुए तीन केटेगरी में परिणाम घोषित किया गया है।

यूजीसी नेट परीक्षा परिणाम गुरुवार की शाम घोषित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, रक्षा अध्ययन, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, राजनीतिशास्त्र, उर्दू, विधि विभाग, भूगोल, संस्कृत, गणित, बायोटेक्नोलजी, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, संगीत एवं ललितकला, प्राणि विज्ञान, शिक्षाशास्त्र, प्रौढ़ शिक्षा एवं वाणिज्य विषय के विद्यार्थी चयनित हुए हैं। इसमें दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी जेआरएफ के लिए सफलता हुए हैं। विगत सत्र की नेट पात्रता परीक्षा में भी विश्वविद्यालय के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में अपना परचम लहराया था। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा यह परिणाम विश्वविद्यालय के बढ़ते अकादमिक स्तर का परिचायक है।

इस वर्ष भी पात्रता परीक्षा से होगा पीएचडी में प्रवेश

यूजीसी का मार्गदर्शन स्पष्ट न होने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया निर्णय

- पीएचडी की रिक्त सीटों का गणना का यत्न बोधन, आवेदन आमंत्रित करने की तैयारी
- डिग्रीधारकों की सहायता इस वर्ष के दिसंबर तक परीक्षा आयोजित कर लेने की है

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीन दयाल गोरखपुर विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर के पीएचडी करने की इच्छुक लोगों के लिए अच्छी खबर है। विश्वविद्यालय इस नए सत्र में शोध प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पीएचडी में प्रवेश लेने की तैयारी कर रहा है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इसे लेकर निर्णय ले लिया है और शोध व विकास प्रकोष्ठ और प्रवेश प्रकोष्ठ के निरंतर को इस दिशा में कार्यरत्न तैयार करने का निर्देश दे दिया है।

वर्ष की शुरुआत में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक दिशा-निर्देश ने सत्र 2024-25 से विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा पर विराम लगा दिया था। आयोग की ओर से यह निर्देश दिया गया था कि सत्र 2024-25 में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा नहीं आयोजित की जाएगी। यह आदेश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शोध में प्रवेश को लेकर अपने द्वारा जारी दिशा-निर्देश पर मंथन की बात कही तो उसका फायदा उठाकर लखनऊ विश्वविद्यालय सहित कई विश्वविद्यालयों ने सत्र 2024-25 के लिए शोध पात्रता परीक्षा आयोजित करने का निर्णय ले लिया और विज्ञप्ति जारी कर आवेदन पत्र आमंत्रित कर लिया। जब यह जानकारी गोरखपुर विश्वविद्यालय तक पहुंची तो यहां के कुलपति ने भी अपनी टीम को शोध पात्रता परीक्षा आयोजित कर लेने की है।

वह शोध अध्यादेश के आधार पर होगा पीएचडी में प्रवेश। सत्र 2024-25 में भी पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया जारी रहेगी। इसका निर्णय शोध व विकास प्रकोष्ठ व प्रवेश प्रकोष्ठ की अधिकार अंक दिए जाएंगे। यह अंक विकास होंगे, इस पर यह दिशा दे दिशा किया जाएगा। पिछले प्रवेश परीक्षा में जेआरएफ पर 20 और नेट पर 10 अतिरिक्त अंक दिए गए थे। यह अंक इसने लगाए थे कि कुल विभागों में प्रवेश परीक्षा के आयोजन के अधिकार पर ही समाप्त डाले गया था क्योंकि न्यायालय वहीं विभागों बनाए हो गए थे, जो नेट या जेआरएफ थे। बिना इस आदेश के प्रवेश परीक्षा होने वाले अभ्यर्थियों को निराश होना पड़ेगा।

नए शोध अध्यादेश के आधार पर होगा पीएचडी में प्रवेश

सत्र 2024-25 में भी पीएचडी में पहले प्रवेश की परीक्षा करवाई जाएगी, उसके बाद सकल अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। दोनों के आंकों को मिलाकर परिणाम जारी किया जाएगा। नेट व जेआरएफ उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। यह अंक कितने होंगे, इस पर नए सिरे से विचार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रवेश लेंगे, जिन्होंने यूजीसी से नेट या जेआरएफ प्रमाण-पत्र प्राप्त किया है। या फिर पीएचडी प्रवेश की अर्हता परीक्षा पास की है। इस निर्देश के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने 2023-24 सत्र में पीएचडी प्रवेश के लिए शोध पात्रता परीक्षा इस घोषणा के साथ कराई कि शोध में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा पर विराम लगा दिया था। आयोग की ओर से यह निर्देश दिया गया था कि सत्र 2024-25 में कार्यपरिषद तैयार करने का निर्देश जारी कर दिया।

कुलपति के निर्देश के बाद शोध व विकास प्रकोष्ठ ने विभागों में पीएचडी की रिक्त सीटों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जैसे ही रिक्तियां स्पष्ट हो जाएंगे, प्रवेश प्रकोष्ठ की ओर से आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय की योजना वर्ष के दिसंबर तक शोध पात्रता परीक्षा आयोजित कर लेने की है।

Hindustan
Page - 05, 07

गोविवि | कुलपति के निर्देश के बाद विभागों से पीएचडी की रिक्त सीटों की जानकारी जुटा रहा शोध व विकास प्रकोष्ठ

प्रवेश परीक्षा से पीएचडी में प्रवेश लेने की तैयारी

> सत्र 2024-25 में शोध पात्रता परीक्षा के माध्यम से ही पीएचडी में प्रवेश लिया जाएगा। रिक्त सीटों की स्थिति स्पष्ट होते ही आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू होगी।
> -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

ब्रांड एंबेसडर के नेतृत्व में चला सफाई अभियान

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया।

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। विश्वविद्यालय परिसर एवं स्वच्छ की शपथ ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

इसके अलावा परिसर को स्वच्छ रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। इसमें सफाई कर्मचारियों के लिए शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, सफाई कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय परिसर एवं स्वच्छ की शपथ ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

इसके अलावा परिसर को स्वच्छ रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। इसमें सफाई कर्मचारियों के लिए शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, सफाई कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय परिसर एवं स्वच्छ की शपथ ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

विद्यार्थी बनेंगे एनईपी सारथी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का करेंगे प्रचार-प्रसार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रचारी दिनकमल में विद्यार्थियों की एनईपी सारथी के कार्य का शुभारंभ विश्वविद्यालय प्रशासन ने किया है।

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रचार-प्रसार के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पहल पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय पीएचडी विद्यार्थियों को एनईपी सारथी बनाने जा रहा है। एनईपी सारथी विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सुविधाओं, कार्यों एवं उपयोगिता के लिए प्रेरित करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय में पीएचडी के शोधार्थी एनईपी सारथी के रूप में कार्य करेंगे। इसके अलावा वे विश्वविद्यालय में पीएचडी शिक्षा नीति की सुविधाओं की जानकारी देने के लिए कार्य करेंगे।

समर्थ पोर्टल पर भरे जाएंगे परीक्षा फार्म

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कालेजों के स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का परीक्षा फार्म समर्थ पोर्टल पर भरा जाएगा। पीएचएच व माइनर प्रायन्थों की परीक्षा के लिए फार्म भरने की शुरुआत 21 अक्टूबर से की जाएगी। इसकी अंतिम तिथि पांच नवंबर होगी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक डा. कुलदीप सिंह ने दी। (जासं)

गंगा की सहायक नदियों का संरक्षण जरूरी

कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान सम्मान के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

- गंगा जैव विविधता एवं आजीविका संरक्षण पर आयोजित कार्यशाला में बोले गोवि की कुलपति
- कार्यशाला का उद्देश्य है नदियों के संरक्षण के लिए किसानों की राय और आकांक्षाओं का निर्माण

गोवि के कृषि संकाय में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व मंचासीन अतिथि ● जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा है कि गंगा नदी के संरक्षण के साथ-साथ उसकी सहायक नदियों का संरक्षण भी जरूरी है। ऐसा करते हुए गंगा नदी का संपूर्ण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। प्रो. टंडन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संकाय में भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प, हिंदुस्तान और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि गंगा नदी के संरक्षण के लिए किसानों की राय और आकांक्षाओं का निर्माण करना है। उन्होंने कृषि संकाय में गुलाल छाद संरक्षण बनाने पर जोर दिया। सहकार संकेतन में कृषि संकाय के निदेशक डी.आर. सिंह ने विस्तृत अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सांतु रत्नोगी ने गंगा के इसी सिस्टम को संरक्षित करने की भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प के प्रयासों की सराहना करते हुए गंगा की सहायक नदियों के संरक्षण पर जोर दिया।

अध्यक्षता छाद कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने गंगा की जीवनदायिनी बताते हुए गंगा के किनारे के तटीय मैदान की दर्शकता पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष डा. सुरज कुमार ने उपस्थित कार्यशाला को संबोधित प्रो. राजेश राय, अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. उमाकर पर्वारम, डायन सिद्धार्थनाथ प्रो. अनिमेषी मिश्र, प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. रमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. ज्योति नाथ त्रिपाठी, प्रो. रामजी कुमार गौर, प्रो. जीएन पांडेय, प्रो. केशव सिंह, डा. रामकरन गुप्त, डा. मनोज पांडेय, डा. स्मृति मलल आदि मौजूद रहीं। संचालन डा. सरोज चौहान ने किया।

विरासतों का संरक्षण करेंगे गोवि व इंटेक

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : पुर्वांचल की विरासतों का संरक्षण अब इंटेक (इंडियन नेशनल ट्रस्ट फार आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज) व दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय मिलकर करेंगे। इसे लेकर दोनों संस्थाओं ने एक-दूसरे की ओर हाथ बढ़ाया है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग और इंटेक के बीच इसे लेकर एक अनुबंध किया गया। अनुबंध पत्र पर विभाग की ओर अध्यक्ष प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी और इंटेक की ओर से गोरखपुर चेप्टर के संयोजक महावीर कंठोई ने हस्ताक्षर किया। अनुबंध के बाद इंटेक की ओर से प्राचीन इतिहास विभाग के संग्रहालय को डिजिटलाइज करने का आश्वासन भी दिया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि पुर्वांचल के लोग दुनिया में लंबे अतीत के ब्रंगाज हैं। हमारी गौरवशाली परंपरा है। यह परंपरा प्राचीन इतिहास विभाग के संग्रहालय में संरक्षित है। इंटेक के साथ से यह आधुनिकतम तरीके से संरक्षित रखना संभव हो सकेगा। प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने बताया कि हमारा संग्रहालय नव पाषाण काल से लेकर और पूर्व मध्यकाल तक के विगत मनुष्यों की सृष्टि एवं कृतियों को संरक्षित किए हुए है। महावीर कंठोई ने ने इंटेक के उद्देश्यों एवं पूर्वांचल में उसके द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रो. राजकेत राय, प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य, अर्चित्य लहिड़ी, मुमताज खान, आशीष असवाना, प्रो. कमलेश गौतम आदि मौजूद रहे।

अनुबंध पत्र दिखाते गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, इंटेक के संयोजक महावीर कंठोई व दोनों संस्थानों के लोग ● जागरण

Inext Page - 04

नेट-जेआरएफ में डीडीयू का शानदार प्रदर्शन

GOOD NEWS

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (18 Oct): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जून-2024 की यूजीसी नेट, जेआरएफ एवं पीएचडी पात्रता परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है. यूजीसी नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में विभिन्न विभागों के 100 से अधिक विद्यार्थियों का चयन हुआ है. पहली बार यूजीसी नेट पात्रता परीक्षा में जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए नेट एवं पीएचडी के लिए पात्रता तय करते हुए तीन केटेगरी में परिणाम घोषित किया गया है. यूजीसी नेट परीक्षा परिणाम गुरुवार की शाम घोषित किया गया. इसमें विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, रक्षा अध्ययन, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, राजनीतिशास्त्र, उर्दू, विधि विभाग, भूगोल, संस्कृत, गणित, बायोटेक्नोलजी, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, संगीत एवं ललितकला, प्राणि विज्ञान, शिक्षाशास्त्र, प्रौढ़ शिक्षा एवं वाणिज्य विषय के विद्यार्थी चयनित हुए हैं. इसमें दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी जेआरएफ के लिए सफलता हुए हैं. विगत सत्र की नेट पात्रता परीक्षा में भी विश्वविद्यालय के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में अपना परचम लहराया था. कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा यह परिणाम विश्वविद्यालय के बढ़ते अकादमिक स्तर का परिचायक है.

100 से अधिक विद्यार्थियों का इस बार हुआ है चयन

80 से अधिक विद्यार्थियों ने जिता वर्ष नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में अपना परचम लहराया था.

पूर्वांचल छात्र महोत्सव का हुआ आयोजन

GORAKHPUR (18 Oct): पूर्वांचल छात्र महोत्सव के तहत दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग विभाग में सामान्य ज्ञान, निबंध लेखन सेल्फी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

विश्वविद्यालय के 650 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया. आयोजक छात्र नेता नारायण दत्त पाठक ने कहाकि 20 प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा, निबंध लेखन तथा सेल्फी में 10-10 प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा. इस दौरान श्याम पांडेय, अदिति तिवारी, मोहित व अन्य मौजूद रहे.

Rashtriya Sahara
Page - 10

गंगा की सहायक नदियों का संरक्षण महत्वपूर्ण

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर सम्बोधित करतीं कुलपति प्रो.पूनम टंडन।

गोरखपुर(एससूनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संकाय के भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प, हिंदुस्तान और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ शुक्रवार को संपन्न भवन में हुआ।

दीप प्रज्वलन के कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टण्डन ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों जैसे रप्ती और रोहिणी के संरक्षण के लिए विभिन्न हितधारकों की राय और आकांक्षाओं का निर्माण करना है। कुलपति ने इस नई पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि प्रतिभागियों इस कार्यशाला के माध्यम से ये विचार सबसे जागरूक होंगे अधिक अन्य लोगों को भी जागरूक करेंगे। कृषि संकाय के निदेशक प्रो. डॉक्टर कुमार सिंह ने सहायक प्रोफेसर डॉक्टर रत्नेश कुमार मिश्र ने सहायक प्रोफेसर डॉक्टर अनिमेष कुमार मिश्र ने गंगा को भारत की प्रगतिरेखा बताते हुए इसकी पवित्रता को बचाए रखकर प्रदूषण मुक्त करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सान्तु रत्नोगी ने गंगा के इकोसिस्टम को सतिहत करने की भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प के प्रयासों की सराहना करते हुए गंगा की सहायक नदियों के संरक्षण पर जोर दिया। विधि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दुबे ने गंगा को जीवनदायिनी बताते हुए गंगा के किनारे के तटीय मैदान की दर्शकता पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष डा. सुरज कुमार ने उपस्थित कार्यशाला को संबोधित प्रो. राजेश राय, अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. उमाकर पर्वारम, डायन सिद्धार्थनाथ प्रो. अनिमेषी मिश्र, प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. रमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. ज्योति नाथ त्रिपाठी, प्रो. रामजी कुमार गौर, प्रो. जीएन पांडेय, प्रो. केशव सिंह, डा. रामकरन गुप्त, डा. मनोज पांडेय, डा. स्मृति मलल आदि मौजूद रहीं। संचालन डा.सरोज चौहान ने किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में प्रो. दिनेश मणि, डा. रोहनी कुमार गौर, प्रो. नीरज पाण्डेय, डा. रामकरन गुप्त, डा.मनोज पाण्डेय सहित सभी विभाग तथा छात्र उपस्थित रहे। संचालन डा.सरोज चौहान ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प डॉक्टरएन डा. सत्रिजित मालिक ने दिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डा. हरिश कालीन, डा.सत्रिजित मालिक तथा कन्वर्जेंसी संकल्प के अन्य सिलेबस द्वारा जलीय प्रजातियां तथा अन्य भूमि जैव विविधता जैसे जल पक्षी के बारे में जानकारी फैलाने पर मुख्य ध्यान देते हुए प्रतिभागियों को जागरूक किया गया।

यूजीसी नेट परीक्षा में सौ से अधिक छात्रों का चयन

गोरखपुर(एससूनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जुन-2024 की यूजीसी नेट, जेआरएफ एवं पीएचडी पात्रता परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। यूजीसी नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में विभिन्न विभागों के सौ से अधिक छात्र चयनित हुए हैं।

ध्यातव्य है कि पहली बार यूजीसी नेट पात्रता परीक्षा में जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए नेट एवं पीएचडी के लिए पात्रता तय करते हुए तीन केटेगरी में परिणाम घोषित किया गया है। बृहस्पतिवार की देर रात्रि घोषित हुए यूजीसी नेट परीक्षा परिणाम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, रक्षा अध्ययन, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, उर्दू, विधि विभाग, भूगोल, संस्कृत, गणित, बायोटेक्नोलजी, होम साइंस, प्राचीन इतिहास, संगीत एवं ललितकला, प्राणिज्ञान, शिक्षाशास्त्र, प्रौढ़ शिक्षा एवं वाणिज्य विषय के लगभग सौ से अधिक छात्र-छात्राएं नेट-जेआरएफ के लिए चयनित हुए हैं। इसमें दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए सफलता प्राप्त की है।

- डीडीयू के विभिन्न विभागों से लगभग 100 छात्र
- दो बर्जन से अधिक ने जेआरएफ क्वालीफाई किया
- पहली बार यूजीसी ने तीन केटेगरी में परिणाम किया है घोषित

विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, रक्षा अध्ययन, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, उर्दू, विधि विभाग, भूगोल, संस्कृत, गणित, बायोटेक्नोलजी, होम साइंस, प्राचीन इतिहास, संगीत एवं ललितकला, प्राणिज्ञान, शिक्षाशास्त्र, प्रौढ़ शिक्षा एवं वाणिज्य विषय के लगभग सौ से अधिक छात्र-छात्राएं नेट-जेआरएफ के लिए चयनित हुए हैं। इसमें दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए सफलता प्राप्त की है।

विगत सत्र की नेट पात्रता परीक्षा में भी विश्वविद्यालय के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में अपना परचम लहराया था। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने यूजीसी नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी है।

Amar Ujala Select
Page - 05

इस सत्र में भी पुरानी नियमावली से ही होगा पीएचडी में प्रवेश

डीडीयू : पुरानी का मार्गदर्शन स्पष्ट नहीं होने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया निर्णय

डीडीयू के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के तत्वावधान में हुई दो दिवसीय कार्यशाला

गंगा की सहायक नदियों का संरक्षण आवश्यक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों जैसे रप्ती और रोहिणी के संरक्षण के लिए विभिन्न हितधारकों की राय और आकांक्षाओं का निर्माण करना है।

ये शुक्रवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प, हिंदुस्तान और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ अवसर पर व्यक्त मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं। इससे पूर्व कार्यशाला का शुभारंभ उपाधि दीप प्रज्वलित कर किया। कुलपति ने कृषि संकाय के इस नई पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि प्रतिभागियों इस कार्यशाला के माध्यम से ये विचार सबसे जागरूक होंगे अधिक अन्य लोगों को भी जागरूक करेंगे।

उन्होंने कृषि संकाय में सहायक प्रोफेसर डॉक्टर रत्नेश कुमार मिश्र ने गंगा को भारत की प्रगतिरेखा बताते हुए इसकी पवित्रता को बचाए रखकर प्रदूषण मुक्त करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सान्तु रत्नोगी ने गंगा के इकोसिस्टम को सतिहत करने की भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प के प्रयासों की सराहना करते हुए गंगा की सहायक नदियों के संरक्षण पर जोर दिया। विधि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दुबे ने गंगा को जीवनदायिनी बताते हुए गंगा के किनारों के तटीय मैदान की दर्शकता पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष डा. सुरज कुमार ने उपस्थित कार्यशाला को संबोधित प्रो. राजेश राय, अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. उमाकर पर्वारम, डायन सिद्धार्थनाथ प्रो. अनिमेषी मिश्र, प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. रमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. ज्योति नाथ त्रिपाठी, प्रो. रामजी कुमार गौर, प्रो. जीएन पांडेय, प्रो. केशव सिंह, डा. रामकरन गुप्त, डा. मनोज पांडेय, डा. स्मृति मलल आदि मौजूद रहीं। संचालन डा.सरोज चौहान ने किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में प्रो. दिनेश मणि, डा. रोहनी कुमार गौर, प्रो. नीरज पाण्डेय, डा. रामकरन गुप्त, डा.मनोज पाण्डेय सहित सभी विभाग तथा छात्र उपस्थित रहे। संचालन डा.सरोज चौहान ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन भारतीय कन्वर्जेंसी संकल्प डॉक्टरएन डा. सत्रिजित मालिक ने दिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डा. हरिश कालीन, डा.सत्रिजित मालिक तथा कन्वर्जेंसी संकल्प के अन्य सिलेबस द्वारा जलीय प्रजातियां तथा अन्य भूमि जैव विविधता जैसे जल पक्षी के बारे में जानकारी फैलाने पर मुख्य ध्यान देते हुए प्रतिभागियों को जागरूक किया गया।

डीडीयू और इंटेक साथ मिलकर विरासतों का करेंगे संरक्षण

प्राचीन इतिहास विभाग के संग्रहालय को डिजिटलाइज करेगा इंटेक

संवाददाता न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय व इंटेक (इंडियन नेशनल ट्रस्ट फार आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज) के विभागों का संयुक्त प्रयास बेमिसाल बनेगा। इसे लेकर दोनों संस्थाओं ने एक-दूसरे की ओर हाथ बढ़ाया है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग और इंटेक के बीच इसे लेकर एक अनुबंध किया गया। अनुबंध पत्र पर विभाग की ओर अध्यक्ष प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी और इंटेक की ओर से गोरखपुर चेप्टर के संयोजक महावीर कंठोई ने हस्ताक्षर किया। अनुबंध के बाद इंटेक की ओर से प्राचीन इतिहास विभाग के संग्रहालय को डिजिटलाइज करने का आश्वासन भी दिया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि पूर्वांचल के लोग दुनिया में लंबे अतीत के ब्रंगाज हैं। हमारी गौरवशाली परंपरा है। यह प्राचीन इतिहास विभाग के संग्रहालय में संरक्षित है। इंटेक के साथ से यह आधुनिकतम तरीके से संरक्षित रखना संभव हो सकेगा। प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने बताया कि हमारा संग्रहालय नव पाषाण काल से लेकर और पूर्व मध्यकाल तक के विगत मनुष्यों की सृष्टि एवं कृतियों को संरक्षित किए हुए है। महावीर कंठोई ने ने इंटेक के उद्देश्यों एवं पूर्वांचल में उसके द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रो. राजकेत राय, प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य, अर्चित्य लहिड़ी, मुमताज खान, आशीष असवाना, प्रो. कमलेश गौतम आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala
Page - 08

डीडीयू : विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन

संवाददाता न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जून-2024 की यूजीसी नेट, जेआरएफ एवं पीएचडी पात्रता परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। यूजीसी नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में विभिन्न विभागों के सौ से अधिक छात्र चयनित हुए हैं। पहली बार यूजीसी नेट पात्रता परीक्षा में जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए नेट एवं पीएचडी के लिए पात्रता तय करते हुए तीन केटेगरी में परिणाम घोषित किया गया है।

यूजीसी नेट परीक्षा परिणाम बृहस्पतिवार रात्रि घोषित हुए यूजीसी नेट परीक्षा परिणाम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, रक्षा अध्ययन, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, उर्दू, विधि विभाग, भूगोल, संस्कृत, गणित, बायोटेक्नोलजी, होम साइंस, प्राचीन इतिहास, संगीत एवं ललितकला, प्राणिज्ञान, शिक्षाशास्त्र, प्रौढ़ शिक्षा एवं वाणिज्य विषय के लगभग सौ छात्र-छात्राएं नेट-जेआरएफ के लिए चयनित हुए हैं। इसमें दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए सफलता प्राप्त की है।

विगत सत्र की नेट पात्रता परीक्षा में भी विश्वविद्यालय के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में अपना परचम लहराया था। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने यूजीसी नेट-जेआरएफ पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी है।

PUNJAB KESARI

डीडीयू में 16 करोड़ से सुधरेगी बिजली व्यवस्था

डीडीयू : दीक्षा भवन के जीर्णोद्धार व बिजली कार्य के लिए शासन ने दी सरकीय 16 करोड़

16 करोड़ से सुधरेगी परिसर की बिजली व्यवस्था

विवि को पीएम श्री का मिला है 100 करोड़ रुपये

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कई वर्षों से चुके बिजली के तार व उपकरण बदले जाएंगे। यहां दीक्षा भवन का भी कायाकल्प कराया जाएगा। दीक्षा भवन का प्रेक्षागृह आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

विश्वविद्यालय को पीएम श्री (प्रधानमंत्री उदय शिक्षा अभियान) के तहत मिले 100 करोड़ रुपये में से करीब 16 करोड़ रुपये इस कार्य के लिए शासन की तरफ से जारी हो गए हैं। मंगलवार विजयदशमी और शासन से निर्माण कार्य जल